Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT – Core course/02/01

II Semester Paper -I : (PAPER CODE : 42541)

PAPER NAME - **कथा साहित्य एवं प्राकृत व्याकरण**

एम.ए. प्रथम वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – प्रथम : Paper Code 42541

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र – प्रथम	**कथा साहित्य एवं प्राकृत व्याकरण**	**100 अंक**
इकाई एक	समराइच्चकहा (प्रथम भव) सम्पा. डॉ.रमेशचन्द्र जैन साहित्य भण्डार, मेरठ	20 अंक
इकाई दो	पठित ग्रन्थ का भाषागत एवं आलोचनात्मक अध्ययन	20 अंक
इकाई तीन	प्राकृत कथा साहित्य की समीक्षा	20 अंक
इकाई चार	प्राकृत चरित साहित्य की समीक्षा	20 अंक
इकाई पांच	प्राकृत रचना सौरभ (डॉ.के.सी.सोगानी) के पाठ 42 से 84 का अभ्यास, किन्हीं आठ वाक्यों का हिन्दी से प्राकृत में अनुवाद पूछना	20 अंक

सहायक पुस्तकेंः–

1. समराइच्चकहा का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. झिनकू यादव

2. हरिभद्र के प्राकृत कथा साहित्य का आलोचनात्मक अनुशीलन – डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

3. आचार्य हरिभद्रसूरि का जैन दर्शन में योगदान – डॉ. दर्शनप्रभा

4. प्राकृत का जैन कथा साहित्य – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन

5. वृहत्कथाकोश – डॉ.ए.एन.उपाध्ये (भूमिका)

6. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

7. प्राकृत साहित्य की रूपरेखा – डॉ. तारा डागा

8. प्राकृत स्वयं शिक्षक – डॉ. प्रेम सुमन जैन

9. प्राकृत रचना सौरभ – डॉ. के. सी.सोगानी

10. बाल रूप प्राकृत व्याकरण – डॉ. उदय चन्द्र जैन

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, – Core course/02/02

II Semester Paper -II : (PAPER CODE : 42542)

PAPER NAME - **सट्टक साहित्य एवं मागधी सूत्र**

एम.ए. प्रथम वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – द्वितीय : Paper Code 42542

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र – द्वितीय	**सट्टक साहित्य एवं मागधी सूत्र**	**100 अंक**
इकाई एक	कर्पूरमंजरी राजशेखर (2, 3 एवं 4 जवनिका गद्य एवं पद्य) सम्पा. डॉ.रामप्रकाश पोद्दार, वैशाली, 1974	20 अंक
इकाई दो	पठित ग्रन्थ का भाषागत विवेचन एवं चरित्र–चित्रण	20 अंक
इकाई तीन	सट्टक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन	20 अंक
इकाई चार	हेमशब्दानुशासन के चतुर्थपाद के सूत्र नं.287–302 (प्राकृत प्रवेशिका के मागधी सूत्र) आठ सूत्रों को देकर चार सूत्रों के सोदाहरण अर्थ पूछना आवश्यक है।	20 अंक
इकाई पांच	मागधी प्राकृत एवं शौरसेनी प्राकृत की प्रमुख विशेषतायें	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. कर्पूरमंजरी, स्टेनकानो (भूमिका)
2. आचार्य राजेशखर – डॉ. श्यामवर्मा
3. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीश चन्द्र
4. हेमशब्दानुशासन (हिन्दी व्याख्या) – श्री प्यारचन्द जी महाराज
5. अभिनव प्राकृत व्याकरण – डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
6. प्राकृत व्याकरण – डॉ. उदयचन्द्र जैन
7. प्राकृत प्रवेशिका – डॉ. कोमल चंद जैन

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, – Core course/02/03

II Semester Paper -III : (PAPER CODE : 42543)

PAPER NAME - **अर्द्धमागधी प्राकृत एवं अपभ्रंश कवि**

एम.ए. प्रथम वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – तृतीय : Paper Code 42543

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र – तृतीय	**अर्द्धमागधी प्राकृत एवं अपभ्रंश कवि**	**100 अंक**
इकाई एक	उत्तराध्ययन सूत्र – नमिप्रवज्या (1 से 62 गाथाएँ)	20 अंक
इकाई दो	उत्तराध्ययन सूत्र – विनय अध्ययन (1 से 20 गाथाएँ) केशी गौतम अध्ययन का मूल्यांकन	20 अंक
इकाई तीन	अर्द्धमागधी साहित्य का सर्वेक्षण	20 अंक
इकाई चार	अर्द्धमागधी प्राकृत भाषा के संज्ञा, सर्वनाम या क्रिया एवं कृदन्त के प्रमुख नियम एवं उदाहरण सहित विवेचन	20 अंक
इकाई पांच	अपभ्रंश के प्रमुख कविः स्वयंभू, पुष्पदन्त, वीरकवि, धनपाल, रइधू आदि के योगदान एवं उनके ग्रन्थों पर सामान्य प्रश्न	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. उत्तराध्ययन – एक समीक्षात्मक अध्ययन – आचार्य तुलसी
2. उत्तराध्ययनसूत्र – तेरापंथ महासभा – कलकत्ता
3. उत्तराध्ययनसूत्रम् – शिवमुनि
4. उत्तराध्ययन – अनु. संपा. आचार्य सुभद्र मुनि
5. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.नेमिचन्द शास्त्री
6. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य का इतिहास : डॉ.एल.बी.राम अनन्त
7. भविसयत्तकथा एवं अन्य अपभ्रंश कथा काव्य – डॉ.देवेन्द्र कुमार शास्त्री
8. अपभ्रंश भाषा और साहित्य – डॉ.देवेन्द्र कुमार जैन
9. रइधू साहित्य का आलोचनात्मक परिशीलन – डॉ.राजा राम जैन
10. प्राकृत काव्य सौरभ – डॉ.प्रेम सुमन जैन
11. अभिनव प्राकृत व्याकरण – डॉ.नेमी चन्द्र शास्त्री

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, – Core course/02/04

II Semester Paper -IV : (PAPER CODE : 42544)

PAPER NAME - **महाराष्ट्री प्राकृत**

एम.ए. प्रथम वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – चतुर्थ : Paper Code 42544

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र – चतुर्थ	**महाराष्ट्री प्राकृत**	**100 अंक**
इकाई एक	आख्यानकमणिकोश (आम्रदेवसूरि वृत्ति) तीसरा अधिकार 15वीं कथा रोहिण्याख्यानकम् संदर्भ ग्रंथः रोहिणीकहा (गाथा 1 से 100 तक) सम्पा. डॉ.प्रेमसुमन जैन, साहित्य संस्थान, उदयपुर	20 अंक
इकाई दो	गउडवहो (वाक्पतिराज) स. एन.जी.सुरू सन्दर्भ पुस्तिकाः वाक्पतिराज की लोकानुभूति, गाथाएं 1–50 संकलन– डॉ.के. सी.सोगानी, जयपुर–1983	20 अंक
इकाई तीन	पठित ग्रन्थों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन	20 अंक
इकाई चार	महाराष्ट्री प्राकृत का परिचय एवं विशेषताएँ	20 अंक
इकाई पांच	महाराष्ट्री प्राकृत भाषा की व्याकरण संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त के नियम	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन
2. प्राकृत साहित्य की रूपरेखा – डॉ. तारा डागा
3. अभिनव प्राकृत व्याकरण – डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
4. जैन संस्कृति कोष भाग 1 से 3 – प्रो. भाग चन्द्र जैन
5. प्राकृत व्याकरण – डॉ. उदय चन्द्र जैन

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, – Core course/02/05

II Semester Paper -V : (PAPER CODE : 42545)

PAPER NAME - **जैनविद्या के वैशिष्ट्य के विविध आयाम**

एम.ए. प्रथम वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – पंचम : Paper Code 42545

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र – पंचम	**जैनविद्या के वैशिष्ट्य के विविध आयाम**	**100 अंक**
इकाई एक	जैनविद्या के प्रमुख सिद्धान्त एवं दार्शनिक परम्परा – प्राचीनता एवं विविधता	20 अंक
इकाई दो	जैन दर्शन में गुणस्थान, अनेकान्त की पृष्ठभूमि एवं सापेक्षवाद का तुलनात्मक अध्ययन, अनेकान्त एवं भाषा दर्शन, अनेकान्त की व्यवहार्यता।	20 अंक
इकाई तीन	जैन दर्शन में नय एवं निक्षेप की तात्त्विक पृष्ठभूमि, वचनव्यापार का नियामक – स्याद्वाद : सिद्धान्त एवं स्वरूप, सप्तभंग तथा उसकी समसामयिकता का विश्लेषण	20 अंक
इकाई चार	जैनाचार : श्रमणाचार का वैशिष्ट्य (महाव्रत, मूलगुण, समिति, ध्यान ण्वं तप) एवं श्रावकधर्म का वैशिष्ट्य (अणुव्रत दर्शन, प्रतिमाएँ, सप्तव्यसन–त्याग)	20 अंक
इकाई पांच	जैन संस्कृति की प्राचीनता के विविध आयाम, जैन पर्वों की महत्ता	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1.जैन धर्म – डॉ. कैलाश चन्द्र शास्त्री

2.जैन धर्म – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन

3.जैन धर्म – आ. सुशील मुनि

4.जैन धर्म, दर्शन – डॉ. रमेश चन्द्र जैन

5.जैन धर्म – डॉ. राजेन्द्र मुनि शास्त्री

6.भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान – डॉ. हीरालाल जैन

7.जैन संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण – प्रो. प्रेम सुमन जैन

8.तत्त्वार्थसूत्र – पं. सुखलाल सिंघवी

9.जैन दर्शन – पं. महेन्द्र कुमार जैन

10 जैन दर्शन : मनन और मीमांसा – मुनि नथमल

11. जैन धर्म–दर्शन – डॉ. मोहन लाल मेहता

12.जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, – Core course/02/06

II Semester Paper -VI : (PAPER CODE : 42546)

PAPER NAME - **बौद्ध दर्शन, समाज एवं कला**

एम.ए. प्रथम वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – षष्ठ : Paper Code 42546

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र – पंचम	**बौद्ध दर्शन, समाज एवं कला**	**100 अंक**
इकाई एक	बुद्धकालीन भारतीय परिस्थिति, महात्मा बुद्ध का जीवन–परिचय	20 अंक
इकाई दो	चार आर्य सत्य, मध्यम मार्ग, अष्टांगिक मार्ग	20 अंक
इकाई तीन	प्रतीत्यसमुत्पाद, ध्यान चतुष्टय, अनात्म अनीश्वरवाद, शील, समाधि एवं प्रज्ञा	20 अंक
इकाई चार	बौद्ध धर्म का समाज पर प्रभाव	20 अंक
इकाई पांच	बौद्ध धर्म, मूर्ति एवं स्थापत्य कला	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. बौद्ध संस्कृति का इतिहास – प्रो.भाग चन्द्र जैन
2. बौद्ध दर्शन – राहुल सांकृत्यायन
3. बौद्ध दर्शन – बलदेव उपाध्याय
4. बौद्ध धर्म दर्शन – आचार्य नरेन्द्रनाथ
5. बौद्ध दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन भाग 1–2, भरतसिंह उपाध्याय
6. भारत का बौद्ध स्थापत्य – ह.ग.शास्त्री
7. बौद्ध मूर्ति विधान – नवीन चन्द शास्त्री
8. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुफा एवं मन्दिर – वासुदेव उपाध्याय
9, संयुक्तनिकायपालि एक अध्ययन – डॉ. विजय कुमार जैन